



निजी बैंकों का रीवा जिले के आर्थिक विकास में भूमिका का एक अध्ययन

डॉ. मनीष कुमार शुक्ला¹ and अनुराग तिवारी²

प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)¹

शोधार्थी, वाणिज्य संकाय, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)²

शोध सारांश: विश्व के समस्त विकसित तथा विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था के संचालन में बैंकिंग संस्थाएँ, चाहे वे निजी क्षेत्र की हों या सार्वजनिक क्षेत्र की हों, महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। इन संस्थाओं के अभाव में सुदृढ़ तथा गतिशील अर्थव्यवस्था की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ये संस्थाएँ आर्थिक साधनों को एकत्रित कर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी आवश्यकतानुसार प्रवाहित करने के अतिरिक्त अनेक उपयोगी कार्यों को निष्पादित करती हैं। ये बैंकिंग संस्थाएँ उत्पादन के विभिन्न कारकों का उपयोग करने में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक के प्रसार में उत्प्रेरक का कार्य करती हैं। ये योजनाबद्ध तरीके से अर्थव्यवस्था में प्रभावकारी परिवर्तन लाती हैं तथा एक मजबूत नींव का निर्माण करती हैं। ये रोजगार के अवसर सृजित करने के अलावा बैंकिंग जन समुदाय के समाजार्थिक स्तर को ऊँचा उठाती हैं।

मुख्य शब्द: निजी बैंक, आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था, विकसित आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:

- [1]. सिन्हा, डॉ. वी.सी., भारत में अधिकोष, एस.बी.पी.डी. पब्लिशिंग हाउस, आगरा, 2019
- [2]. सक्सेना, डॉ. एस.सी., औद्योगिक संगठन
- [3]. त्रिवेदी, डॉ. आर.एन., शुक्ला डॉ. डी.पी., रिसर्च मैथ्योलॉजी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर 2018
- [4]. त्रिवेदी, हरने, नेमा, भारतीय बैंकिंग प्रणाली, रमेश बुक डिपो, जयपुर 2007
- [5]. त्रिवेदी डॉ. आर.एन., शुक्ला डॉ. डी.पी., रिसर्च मैथ्योलॉजी, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर 2017
- [6]. Kothari, C.R., Research Methodology, New Age International Pvt.k~ Ltd.k~ Second Edition, New Delhi 2004,
- [7]. आई.सी.आई.सी.आई., ऐक्सिस, एच.डी.सफ.सी. बैंकों की वार्षिक प्रतिवेदन 2017 से 2021
- [8]. रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, बुलेटिन 2017 से 2021, रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया मुम्बई



- [9]. The Economic Times, The Indian Today Group, New Delhi, 2017 to 2021
- [10]. कुरुक्षेत्र पत्रिका जुलाई 2019
- [11]. योजना पत्रिका जनवरी 2017